किसने बनाया है?

गीता धर्मराजन

चित्राँकनः कथा स्कूल के बच्चों के द्वारा

कथा की 300एम थिंकबुक

किसने बनाया आसमाँ को
आसमाँ में उड़ते पंछी को

कौवे, तोते, मैंना को
किसने बनाया है?

किसने बनाया हाथी को
गोलू-मोलू भालू को

पत्ते में छिपते हिरन को
किसने बनाया है?

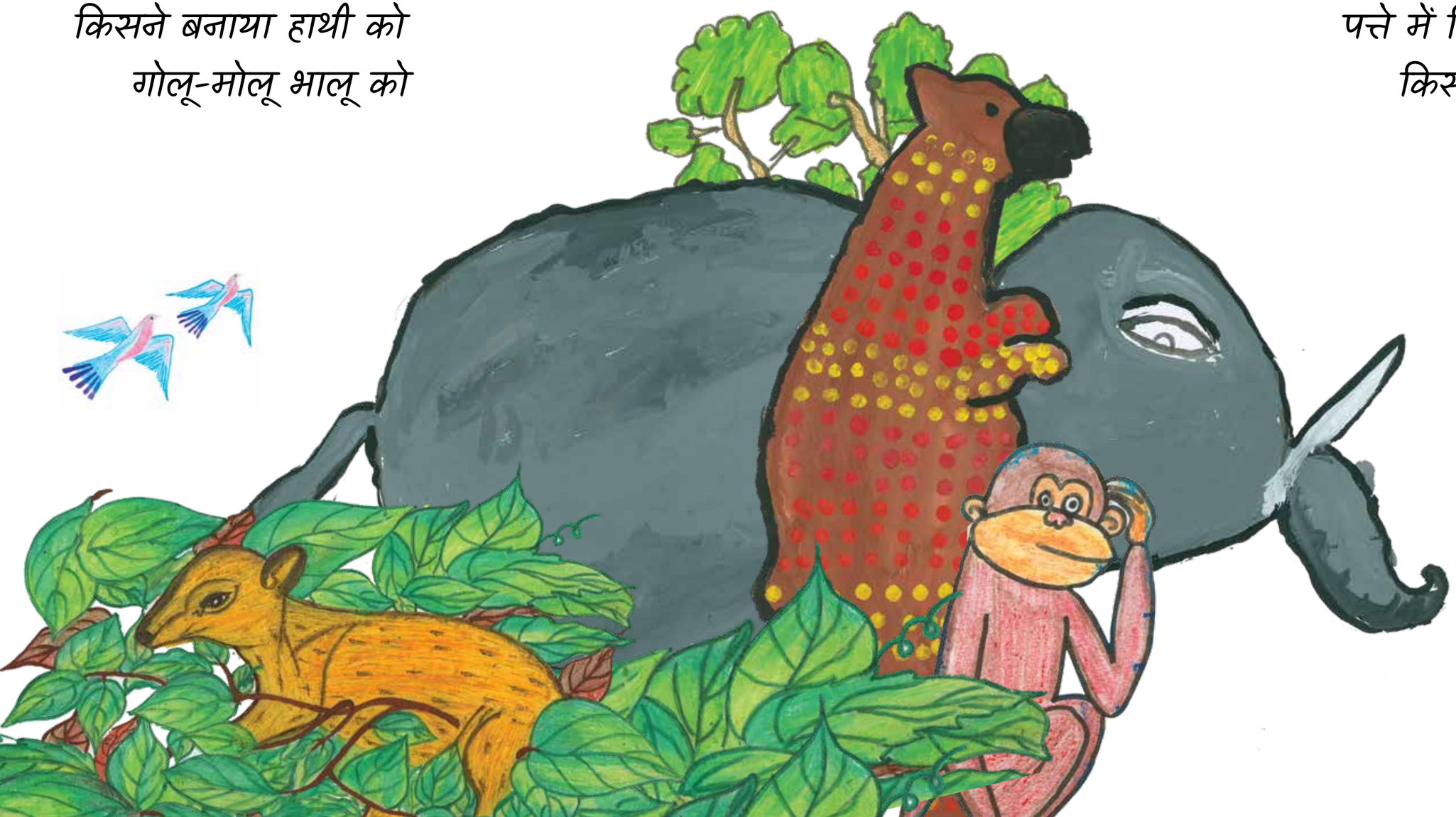

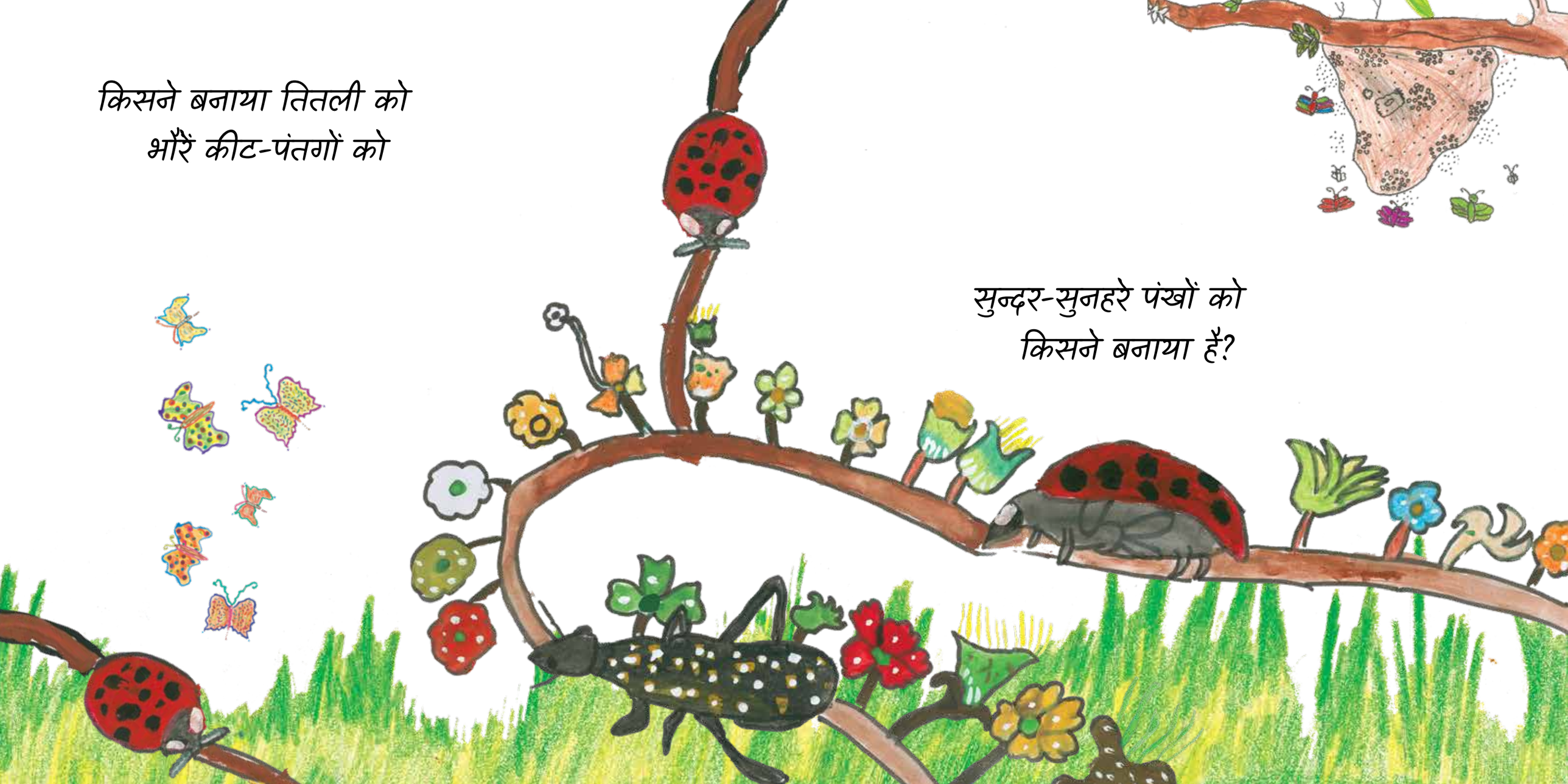

किसने बनाया तितली को
भौंरें कीट-पंतगों को

सुन्दर-सुनहरे पंखों को
किसने बनाया है?

किसने बनाया मछली को
साँप, कछुए, मेंढक को

जल में तैरते दोस्तों को
किसने बनाया है?

किसने बनाया
हम, तुम को?
हाँ लड़की को
लड़के को

किसने दी खुशी सबको
किसने बनाया है?

वही जो सबके अन्दर है
कुत्ते, गाय, गधे में है

दोस्त समय अब आया है
थैंक यू कहने का।
Oh! Yes thank you कहने का।

किसने बनाया?

इस गीत को लंदन ब्रिज
की धुन पर गाओ

किसने बनाया आसमाँ को
आसमाँ में उड़ते पंछी को
कौवे, तोते, मैंना को
किसने बनाया है?
किसने बनाया हाथी को
गोलू-मोलू भालू को
पत्ते में छिपते हिरन को
किसने बनाया है?
किसने बनाया तितली को
भौंरें कीट-पंतगों को
सुन्दर-सुनहरे पंखों को
किसने बनाया है?

किसने बनाया मछली को
साँप, कछुए, मेंढक को
जल में तैरते दोस्तों को
किसने बनाया है?
किसने बनाया
हम, तुम को
हाँ लड़की को
लड़के को
किसने दी खुशी सबको
किसने बनाया है?
वही जो सबके अन्दर है
कुत्ते, गाय, गधे में है
दोस्त समय अब आया है
थैंक यू कहने का।
Oh! Yes thank you कहने का।

बिंदुओं को मिलाओ और रंग भरो।
गाना लिखो और साथ में गाओ!

_____ _____

_____ _____

_____

पेड़ पर कितनी मधुमक्खियाँ हैं?

कितनी तितलियाँ देख सकते हो?

मेरे लिए फूलों को गिन सकते हो?

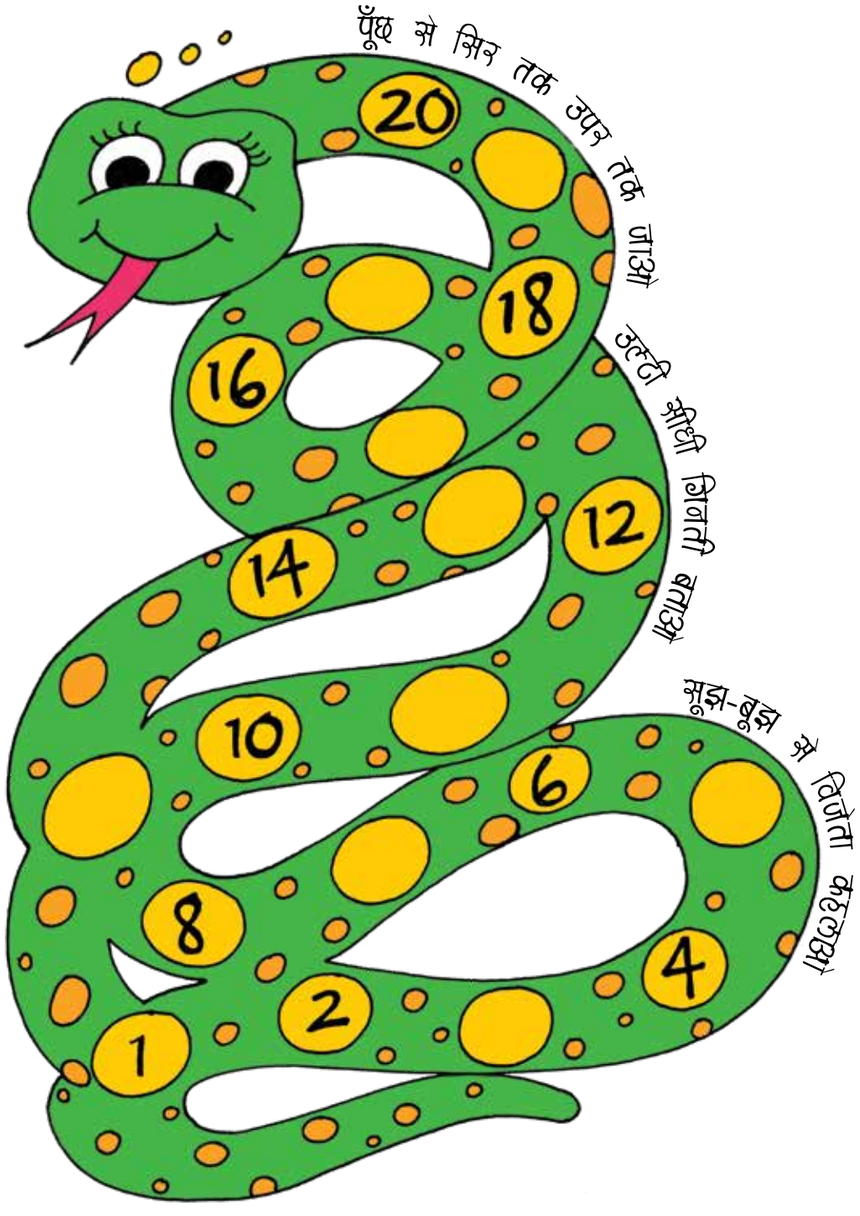

हि	श	ह	द	ट	बा	डॉ
क	र	जु	ग	नु	घ	ल
ति	लि	न	व	श	रु	फि
त	य	याँ	ड़	ण	गा	न
ली	प	खी	त	ल	कं	का
ट	क	य	ठ	म	ड़	प
म	गा	अ	क	ल	इ	की

कहाँ है हम हमें निकालो
कौन है हम, नाम लिख डालो

उड़ती .....

नटखट .....

उछलती .....

चटपट .....

चमकता .....

खिलती .....

पत्ते में छिपा हिरण .....

हमारे चित्रकार

आफ़ताब आलम | अजय पाल | अनीता कुमारी | अनुष | अतुल कुमार | देवा थापा | गोपाल बाल गुलिस्ताँ | गुलशन सिंह | हेमंत तुरी | जयप्रकाश सिंह | ज्योति दास | ज्योति सिंह | करन | कृष्णा बेवा मोहम्मद हुसैन | पूनम कुमारी | प्रियादास राघव | रमेश | रीता बाल | रोहित तुरी | रोशनी पाल | रूपा बाल | सैनी तुरी | शिवा कवि | सूरज कुमार | सूरज सिंह | सुरेश | वंदना वर्मा | विजय

गीता धर्मराजन को बच्चों के लिए कहानियां लिखना पसंद है। वह बच्चों की पत्रिका टारगेट की सम्पादक थी। वह पेनसिलवेनिया विश्वविद्यालय की पत्रिका – पेनसिलवेनिया गैजेट की भी संपादक थी। उन्हें 2012 में शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

क कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर–लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!" – **नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ**

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।" – **पेपरटाइगर्स**

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।" – **टाइम आउट**

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"

– **चार्ल्स लैंड्री,** ***द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग***

पहला हिंदी संस्करण 2021
कृति स्वामित्व © कथा, 2010, 2021
लेखन कृति स्वामित्व © गीता धर्मराजन
चित्राँकन कृति स्वामित्व © कथा
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।
नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्यः हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाषः 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेलः marketing@katha-org
वेबसाइटः www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

यह पुस्कतें कथा ने बहुत ध्यान और स्नेह के साथ बनायीं हैं। यह 5 से 12 वर्ष आयु के बच्चों के लिए हैं।

यह हमारे 'UntextBook Inititaive' का हिस्सा हैं। बच्चों को पढ़ने का आनंद आये उसके लिए हम बेहतरीन साहित्य और कला का इस्तेमाल करते हैं।

अपने बच्चों के बिना शब्दों वाली किताबों से 1200 शब्दों वाली कहानियों की यात्रा कराएँ।

इसमें 3500 वर्ष पुराने साहित्य से कहानियाँ और कविताएँ हैं।

अपने बच्चों के साथ इन्हें पढ़ें। उनकी कल्पना को नयी उड़ान दें।

हमारे साथ '300 Million Citizens' Challenge' का हिस्सा बनिए। एक ऐसी दुनिया के निर्माण के लिए जहाँ बच्चे आनंद से पढ़ें और समझें।
हमसे जुड़ें: 300m@katha-org
स्वयंसेवा के लिए: volunteer@katha-org पर हमें लिखें

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग – अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है।
यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर – लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।
अधिक जानकारी के लिए 300m@katha-org पर जाएँ।

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं

आनंद और समझने के लिए पढ़ें

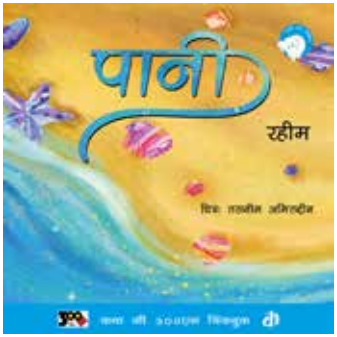

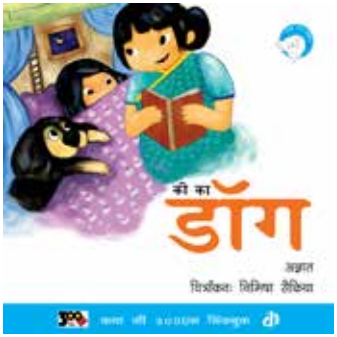

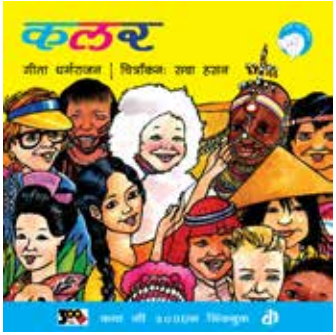

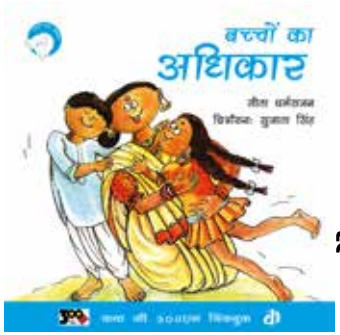

FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."

— The iconic The Economic Times

for children

ISBN 978-93-88284-81-3

a katha book

www.katha.org

₹ xxx

इसकी शृंखला में